अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के
40वें स्थापना दिवस-1 जनवरी 2017 पर घोषित

जैन भारती ग्रंथ
स्वाध्याय प्रतियोगिता

(जनवरी 2017 से जुलाई 2017)

-आशीर्वाद-

भारतगौरव गणिनीप्रमुख आर्यिकाशिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी

प्रेरणा – **प्रज्ञाश्रमणी आर्यिकारत्न श्री चंदनामती माताजी**

परामर्श प्रमुख-**कर्मयोगी पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामी जी**

उत्तर पुस्तिका

प्रश्न 1 द्वादशांग जिनवाणीरूप चार अनुयोगों को .....भी कहते हैं ।

(1) कथाएं (2) साहित्य

(3) वेद (4) जीवन परिचय

प्रश्न 2 इनमें से ऐसा पदार्थ, जिसकी वृष्टि छठे काल के अंत में लगातार सात दिन तक होती है ?

(1) दूध (2) अमृत

(3) क्षार जल (4) रत्न

प्रश्न 3 किस काल में जन्मे स्त्री-पुरुषों के पृष्ठ भाग में 128 हड्डियाँ होती हैं ?

(1) प्रथम काल (2) द्वितीय काल

(3) चतुर्थ काल (4) तृतीय काल

प्रश्न 4 इनमें से कोई एक, जो पाँचवां बलभद्र कहलाया ?

(1) पुरुष सिंह (2) सुदर्शन

(3) तारक (4) हरिषेण

प्रश्न 5 मूसल, हल, रथ और रत्नावली ये चार रत्न किसके पास सुशोभित होते हैं ?

(1) नारायण के पास (2) बलभद्र के पास

(3) प्रतिनारायण के पास (4) नारद के पास

प्रश्न 6 चौबीस कामदेव में से नवमें कामदेव कौन हुए ?

(1) वत्सराज (2) प्रद्युम्न

(3) सनतकुमार (4) जम्बूस्वामी

प्रश्न 7 "तुम्हारा पराक्रम हमें मारने को पत्थर का खम्भा तोड़ते समय देखा गया था, वह आज कहाँ गया ?" यह वाक्य किसने किसके लिए कहे ?

(1) विशाखनन्दी ने विश्वनन्दी मुनिराज के लिए

(2) विश्वनन्दि मुनिराज ने विशाखनन्दी से

(3) विशाखभूति ने विश्वनन्दी मुनि के लिए

(4) विशाखभूति ने विशाखनन्दी के लिए

प्रश्न 8 तीर्थंकर भगवान के गर्भ में आने के छह माह पूर्व से कुबेर माता के आंगन में त्रिकाल में कितने रत्नों की प्रतिदिन वर्षा करता है ?

(1) सवा करोड़ (2) साढ़े तीन करोड़
(3) असंख्यात (4) पच्चीस करोड़

प्रश्न 9 'सूखे वृक्ष के देखने से स्त्री-पुरुषों का चारित्र भ्रष्ट हो जाएगा' यह स्वप्न किसने देखा ?

(1) राजा श्रेयांस ने (2) रानी यशस्वती ने
(3) आ. शांतिसागर जी ने (4) सम्राट चक्रवर्ती भरत ने

प्रश्न 10 भरत महाराज को पुत्रोत्पत्ति, चक्ररत्न प्राप्ति आदि तीन समाचार ज्ञात होने पर उन्होंने सर्वप्रथम कौन सा उत्सव मनाया ?

(1) चक्ररत्न प्राप्ति उत्सव (2) पुत्रोत्पत्ति उत्सव
(3) भ. का केवलज्ञान महोत्सव (4) कोई उत्सव नहीं मनाया

प्रश्न 11 अवसर्पिणी काल के छह भेदों में से तृतीय काल कितने सागर का है ?

(1) दो कोड़ाकोड़ी सागर
(2) इक्कीस हजार वर्ष
(3) बयालीस हजार वर्ष कम एक अरब सागर
(4) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 12 अयोध्या नगरी की रचना किसने की ?

(1) भगवान ऋषभदेव ने (2) कुबेर ने
(3) इन्द्र ने (4) राजा नाभिराय एवं मरुदेवी ने

प्रश्न 13 क्षेमंधर कुलकर ने सिंहादि से भयभीत भोगभूमिजों को क्या उपदेश दिया ?

(1) उनके संसर्ग को छेड़ने का (2) उनके दांत उखाड़ लेने का
(3) उनके पालन-पोषण का (4) दण्डादि रखने का

प्रश्न 14 भगवान महावीर के ग्यारह गणधरों में से सातवें गणधर का नाम ?

(1) मौर्य (2) मौन्द्रय
(3) पुत्र (4) मैत्रेय

प्रश्न 15 महामुनि रामचन्द्र को किस तिथि में केवलज्ञान प्रगट हुआ ?

(1) चैत्र कृष्णा पंचमी (2) वैशाख शुक्ला द्वादशी
(3) माघ शुक्ला द्वादशी (4) फाल्गुन शुक्ला पूर्णिमा

प्रश्न 16 निम्न विकल्पों में तीर्थंकर भगवान के देवकृत चौदह अतिशयों में से एक कौन सा है ?

(1) पसीना रहित शरीर (2) उपसर्ग का अभाव
(3) अनुपम रूप (4) धर्मचक्र का आगे-आगे चलना

प्रश्न 17 भगवान अरहनाथ के मोक्षगमन के पश्चात् कितने वर्ष व्यतीत होने पर मल्लिनाथ भगवान मोक्ष गए ?

(1) अर्द्धपल्य काल (2) एक करोड़ वर्ष
(3) एक हजार करोड़ वर्ष (4) तीस सागर

प्रश्न 18 ब्राह्मण वर्ण की उत्पत्ति किनके द्वारा हुई ?

(1) भगवान आदिनाथ (2) सम्राट भरत
(3) कामदेव बाहुबली (4) अनन्तवीर्य

प्रश्न 19 भगवान महावीर का सन्मति नाम किसने रखा ?

(1) रुद्र ने (2) संगम देव ने
(3) इन्द्र ने (4) संजय-विजय नामक चारण मुनि ने

प्रश्न 20 अजितंजय मुनि से श्रावक के व्रत ग्रहण करने वाला क्रूरकर्मा सिंह सल्लेखनापूर्वक मरण कर किस योनि में क्या बना ?

(1) तिर्यंच योनि में बैल (2) मनुष्य योनि में प्रीतिंकर कुमार
(3) सौधर्म स्वर्ग में सिंहकेतु देव (4) प्रथम नरक का नारकी

प्रश्न 21 चक्रवर्ती की छ्यानवे हजार रानियों में से विद्याधर कन्याएं कितनी होती हैं ?

(1) बत्तीस हजार (2) बीस हजार
(3) छत्तीस हजार (4) सोलह हजार

प्रश्न 22 भगवान ऋषभदेव दीक्षा लेने के लिए वन जाने हेतु जिस पालकी में विराजित हुए, उसका क्या नाम था ?

(1) सुदर्शन (2) शुक्रप्रभा
(3) ज्योत्स्ना (4) हिमांगी

प्रश्न 23 चक्रवर्ती सम्राट भरत को वैराग्य किस निमित्त से हुआ ?

(1) उल्कापात होने पर
(2) जातिस्मरण से
(3) दर्पण में मुख देखते समय श्वेत केश देखकर
(4) भगवान ऋषभदेव का उपदेश सुनकर

प्रश्न 24 भगवान अरहनाथ और मल्लिनाथ के अंतराल में कौन से चक्रवर्ती हुए हैं ?

(1) पद्म चक्री (2) हरिषेण चक्री
(3) जयसेन चक्री (4) सुभौम चक्री

प्रश्न 25 सर्वज्ञ भगवान से अवलोकित लोकाकाश का घनफल कितने राजु प्रमाण है ?

(1) 343 राजु प्रमाण (2) 458 राजु प्रमाण
(3) 14 राजु प्रमाण (4) 500 राजु प्रमाण

प्रश्न 26 एक समय कम एक मुहूर्त को क्या कहते हैं ?

(1) समय (2) अन्तर्मुहूर्त
(3) उच्छ्वास (4) युग

प्रश्न 27 सूर्य की किरणें उष्ण क्यों हैं ?

(1) आतप नामकर्म का उदय होने से
(2) उद्योत नामकर्म का उदय होने से
(3) शीत नामकर्म के उदय से
(4) बादर नामकर्म के कारण

प्रश्न 28 चतुर्थ नरक के बिल की संख्या क्या है ?

(1) 25 लाख (2) 10 लाख
(3) 5 (4) 30 लाख

प्रश्न 29 लोक-अलोक, युग परिवर्तन और चतुर्गति परिवर्तन को बताने वाला कौन सा अनुयोग है ?

(1) प्रथमानुयोग (2) करणानुयोग
(3) चरणानुयोग (4) द्रव्यानुयोग

प्रश्न 30 वह कौन सा नरक है जिसकी मिट्टी का एक कण भी यहाँ आ जावे तो पच्चीस कोस तक के जीव मर जावें ?

(1) प्रथम नरक की **(2)** पांचवें नरक की
(3) सातवें नरक की **(4)** छठे नरक की

प्रश्न 31 आठवीं पृथ्वी के ऊपर सात हजार पचास धनुष जाकर क्या है ?

(1) घनवातवलय **(2)** लोकाकाश
(3) अलोकाकाश **(4)** सिद्धों का आवास

प्रश्न 32 छठे नरक की जघन्य और उत्कृष्ट आयु कितनी है ?

(1) 17 सागर और 22 सागर
(2) 10 सागर और 17 सागर
(3) 20 सागर और 22 सागर
(4) 22 सागर और 33 सागर

प्रश्न 33 उस शिला का नाम, जहाँ ऐरावत क्षेत्र के तीर्थंकरों का अभिषेक होता है ?

(1) रक्ता शिला **(2)** पाण्डुकम्बला शिला
(3) पाण्डुक शिला **(4)** रक्तकम्बला शिला

प्रश्न 34 घनवात वलय का वर्ण बताइए ?

(1) नीलमणि सदृश **(2)** मूंग के समान
(3) अनेक वर्ण वाला **(4)** गोमूत्र वर्ण वाला

प्रश्न 35 द्वीप, समुद्र, कुलाचल, वेदी, जगती और भरत आदि क्षेत्रों, नदी, कुंड या सरोवर का प्रमाण किसके द्वारा जाना जाता है ?

(1) उत्सेधांगुल **(2)** आत्मांगुल
(3) प्रमाणांगुल **(4)** इनमें से किसी से भी नहीं

प्रश्न 36 मध्यलोक में अकृत्रिम चैत्यालय कितने हैं ?

(1) 78 **(2)** 458
(3) 7 करोड़ 72 लाख **(4)** असंख्यात

प्रश्न 37 व्यंतर देवों के अवधिज्ञान का जघन्य एवं उत्कृष्ट विषय कितना है ?

(1) 20 कोस एवं 100 कोस **(2)** 5 कोस एवं 50 कोस
(3) 2 कोस एवं 8 कोस **(4)** 1 कोस एवं 10 कोस

प्रश्न 38 मानुषोत्तर पर्वत किस द्वीप में स्थित है ?

(1) जम्बूद्वीप (2) धातकी खण्ड द्वीप
(3) पुष्कर द्वीप (4) स्वयंभूरमण द्वीप

प्रश्न 39 जम्बूद्वीप में कितने सूर्य और कितने चन्द्रमा हैं ?

(1) 1 सूर्य 1 चन्द्रमा (2) 2 सूर्य 2 चन्द्रमा
(3) 8 सूर्य 8 चन्द्रमा (4) 5 सूर्य 5 चन्द्रमा

प्रश्न 40 ऐरावत हाथी के कितने मुख होते हैं ?

(1) 8 (2) 16
(3) 32 (4) 64

प्रश्न 41 नव अनुदिश में उत्पन्न देवों की आयु कितनी है ?

(1) 32 सागर (2) 31 सागर
(3) 22 सागर (4) 20 सागर

प्रश्न 42 वे कौन से देव हैं जो भगवान के तपकल्याणक में वैराग्य की प्रशंसा करने आते हैं ?

(1) सौधर्म इन्द्र (2) धनकुबेर
(3) सर्वार्थसिद्धि के देव (4) लौकान्तिक देव

प्रश्न 43 मध्यलोक में धातकी खण्ड कितने योजन व्यास वाला है ?

(1) 1 लाख (2) 4 लाख
(3) 16 लाख (4) 32 लाख

प्रश्न 44 अग्नि कुमार देव कौन से देवों के भेदों में से एक हैं ?

(1) भवनवासी (2) व्यंतर
(3) कल्पवासी (4) ज्योतिष्क

प्रश्न 45 क्षेत्र परिवर्तन के कितने भेद हैं ?

(1) 2 (2) 4
(3) 5 (4) 3

प्रश्न 46 इनमें से कोई एक, जो संसार के पाँच भेदों में से एक है ?

(1) कर्मद्रव्य परिवर्तन (2) भाव संसार
(3) वीतरागी संसार (4) सरागी संसार

प्रश्न 47 सिद्धशिला का व्यास कितना है ?

(1) 45 लाख योजन **(2)** 50 लाख योजन
(3) 25 लाख योजन **(4)** 48 लाख योजन

प्रश्न 48 सच्चे देव, शास्त्र, गुरु का तीन मूढ़ता रहित, आठ गर्व से रहित और आठ अंग सहित श्रद्धान करना ....है।

(1) संसार का कारण **(2)** मिथ्यादर्शन
(3) सम्यक्चारित्र **(4)** सम्यग्दर्शन

प्रश्न 49 सिद्ध भगवान लोक के अग्रभाग के आगे क्यों नहीं जाते हैं ?

(1) क्योंकि वहाँ धर्मास्तिकाय का अभाव है
(2) क्योंकि वहाँ सिद्धशिला जैसा सुख नहीं है
(3) क्योंकि वहाँ फिर से कर्मबंध हो सकता है
(4) क्योंकि उससे ऊपर जाने के लिए और तपस्या करनी पड़ती है

प्रश्न 50 संशय, विपर्यय और अनध्यवसाय रहित पदार्थों का जानना क्या कहलाता है ?

(1) श्रुतावलोकन **(2)** सम्यग्दर्शन
(3) सम्यग्ज्ञान **(4)** सम्यक्चारित्र

प्रश्न 51 कर्माधीन, नष्ट होने वाले, दुःखमिश्रित और पाप के मूल ऐसे विषयजन्य में सुखों की इच्छा नहीं करना, क्या कहलाता है ?

(1) निःकांक्षित अंग **(2)** लोकमूढ़ता
(3) उपगूहन **(4)** प्रभावना अंग

प्रश्न 52 सम्यग्दर्शन के दस भेदों में से एक.....है।

(1) निसर्गज **(2)** मार्ग सम्यक्त्व
(3) अधिगमज **(4)** क्षायिक

प्रश्न 53 त्रेपन गर्भान्वय क्रियाओं में से वह कौन सी क्रिया है, जो जन्म से बारहवें दिन की जाती है ?

(1) सुप्रीति क्रिया **(2)** नामकर्म क्रिया
(3) व्युष्टि क्रिया **(4)** चौल क्रिया

प्रश्न 54 इनमें से एक, जो सम्यक्त्व के आठ गुणों में से है ?

(1) भक्ति (2) तृष्णा

(3) विवेक (4) स्कन्ध

प्रश्न 55 इनमें से एक, जो अपध्यान का लक्षण कहलाता है ?

(1) यावज्जीवन वस्तुओं का त्याग करना

(2) राग-द्वेष आदि से दूसरे का अशुभ चिंतवन करना

(3) आरंभ, परिग्रह, मिथ्यात्व आदि वर्धक शास्त्रों का सुनना

(4) निष्प्रयोजन पृथ्वी, जल आदि को नष्ट करना.

प्रश्न 56 रजस्वला स्त्री कितने दिन बाद घर के काम-काज कर सकती है ?

(1) दो दिन बाद (2) तीन दिन बाद

(3) चार दिन बाद (4) स्नान मात्र से शुद्धि है

प्रश्न 57 विषय भोगों की आकांक्षा करना.....कहलाता है।

(1) अतिचार (2) प्रतिमा

(3) माया (4) निदान

प्रश्न 58 बारह प्रकार का तप किसके अन्तर्गत आता है ?

(1) श्रावक के अष्टमूलगुण के अन्तर्गत

(2) श्रावक की त्रेपन क्रियाओं के अन्तर्गत

(3) श्रावक की ग्यारह प्रतिमा के अन्तर्गत

(4) सल्लेखना के अन्तर्गत

प्रश्न 59 दातार के सात गुणों में से एक गुण.....है।

(1) अलुब्धता (2) लज्जाशील होना

(3) धनवान होना (4) परोपकारी होना

प्रश्न 60 कर्त्रन्वय क्रिया के कितने भेद हैं ?

(1) 2 (2) 5

(3) 7 (4) 15

प्रश्न 61 अशुचि अनुप्रेक्षा हमें क्या शिक्षा देती है ?

(1) यह जीव अकेला आया है, अकेला जायेगा।

(2) इस शरीर से मेरा अनादिकाल से संबंध है किन्तु यह मेरा नहीं है।

(3) जैनधर्म अहिंसा लक्षण युक्त है उसका बार-बार चिंतन करना।

(4) यह शरीर अत्यन्त अपवित्र है, रत्नत्रय से ही आत्मा को पूर्ण पवित्र बनाया जा सकता है।

प्रश्न 62 गृहस्थों के कितने आर्यकर्म होते हैं ?

(1) 5 **(2)** 2

(3) 6 **(4)** 12

प्रश्न 63 उद्दिष्ट त्याग प्रतिमाधारी के कितने भेद हैं ?

(1) 2 **(2)** 3

(3) 5 **(4)** 11

प्रश्न 64 मुनियों के 28 मूलगुणों में से मुख्य व्रत कौन से हैं ?

(1) पांच महाव्रत **(2)** पाँच समिति

(3) केशलोंच **(4)** अदन्तधावन

प्रश्न 65 जन्म का सूतक चल रहा है, उसी बीच परिवार में मरण का सूतक आ जाने पर वह सूतक.....?

(1) जन्म के सूतक के साथ समाप्त हो जाता है

(2) पूर्णरूपेण दस दिन पालन करना पड़ता है

(3) स्नान मात्र से समाप्त हो जाता है

(4) हवन करने से समाप्त हो जाता है

प्रश्न 66 आचार्यों ने एक मुनि की सल्लेखना के समय कितने मुनियों की आवश्यकता बतलाई है ?

(1) 40 **(2)** 60

(3) 48 **(4)** 42

प्रश्न 67 गुरु आदि से सूत्र का अर्थ सुनकर 'यह सत्य है' ऐसा कहना, कौन सा सामाचार है ?

(1) इच्छाकार **(2)** तथाकार

(3) आपृच्छा **(4)** छन्दन

प्रश्न 68 साधु को अहर्निश नित्य कितने कायोत्सर्ग करना अनिवार्य है ?

(1) 25 कायोत्सर्ग (2) 28 कायोत्सर्ग

(3) 20 कायोत्सर्ग (4) 22 कायोत्सर्ग

प्रश्न 69 साधु कितने दोष और कितने अन्तराय को टालकर आहार ग्रहण करता है ?

(1) 32 दोष 46 अन्तराय (2) 46 दोष 32 अन्तराय

(3) 16 दोष 32 अन्तराय (4) 32 दोष 86 अन्तराय

प्रश्न 70 तप ऋद्धि के कितने भेद हैं ?

(1) 2 (2) 11

(3) 7 (4) 18

प्रश्न 71 छठे गुणस्थान से लेकर ग्यारहवें गुणस्थान तक में होने वाला मरण क्या कहलाता है ?

(1) बालमरण (2) पण्डित-पण्डित मरण

(3) बाल पण्डित मरण (4) पण्डित मरण

प्रश्न 72 पिण्डस्थ, पदस्थ, रूपस्थ और रूपातीत ये किनके भेद हैं ?

(1) आर्तध्यान (2) रौद्रध्यान

(3) विपाकविचय धर्मध्यान (4) संस्थानविचय धर्मध्यान

प्रश्न 73 जिसमें अर्थ, व्यंजन आदि का संक्रमण न हो, जो एक रूप से ही स्थित हो, वह कौन सा ध्यान है ?

(1) पृथक्त्ववितर्क शुक्लध्यान

(2) एकत्ववितर्क शुक्लध्यान

(3) सूक्ष्मक्रियाप्रतिपाति

(4) व्युपरतक्रिया निवृत्ति

प्रश्न 74 सोलहकारण भावना के अन्तर्गत जिनवाणी की भक्ति करना किस भावना के अन्तर्गत आता है ?

(1) बहुश्रुतभक्ति (2) अर्हन्त भक्ति

(3) आचार्य भक्ति (4) प्रवचनभक्ति

प्रश्न 75 श्रावक के कितने गुण हैं ?

(1) 20 (2) 50

(3) 70 (4) 100

प्रश्न 76 संज्वलन कषाय और नोकषाय के उदय से जो संयम होता है उसमें मल को उत्पन्न करने वाला प्रमाद होने से वह कौन सा गुणस्थान कहलाता है ?

(1) प्रमत्तविरत **(2)** देशविरत
(3) अप्रमत्तविरत **(4)** उपशांतकषाय

प्रश्न 77 अंगबाह्य के कितने भेद हैं ?

(1) 14 **(2)** 18
(3) 12 **(4)** 22

प्रश्न 78 सकल चारित्र के कितने भेद हैं ?

(1) 3 **(2)** 2
(3) 4 **(4)** 5

प्रश्न 79 "दृश्यते निर्णीयते वस्तुतत्त्वमनेनेति दर्शनम्" इसका अर्थ बताइए ?

(1) जिसके द्वारा वस्तु तत्त्व का निर्णय न किया जा सके, वह दर्शन शास्त्र है।
(2) जिसके द्वारा वस्तु तत्त्व का निर्णय किया जाता है वह दर्शन शास्त्र है।
(3) जिसके द्वारा वस्तु का पूर्णरूपेण त्याग किया जाता है, वह दर्शन शास्त्र है।
(4) इनमें से कोई भी इसके अर्थ का प्रतिपादन नहीं करते।

प्रश्न 80 इनमें से कोई एक सम्यक्त्व मार्गणा के भेदों में से है-

(1) वेदना **(2)** पुद्गल
(3) क्षायिक सम्यक्त्व **(4)** स्थूलता

प्रश्न 81 चतुरिन्द्रिय जीवों के कितने प्राण होते हैं ?

(1) 4 प्राण **(2)** 10 प्राण
(3) 6 प्राण **(4)** 8 प्राण

प्रश्न 82 25 मलदोषों से रहित सम्यग्दृष्टि क्या कहलाता है ?

(1) बहिरात्मा **(2)** अंतरात्मा
(3) परमात्मा **(4)** शुद्धात्मा

प्रश्न 83 जो जिस समय जिससे जैसे जिसके नियम से होता है, वह उस समय उससे वैसे उसके ही होता है, ऐसा नियम से ही सब वस्तु को मानना क्या कहलाता है ?

(1) आत्मवाद (2) स्वभाववाद
(3) नियतिवाद (4) ईश्वरवाद

प्रश्न 84 हुण्डक संस्थान का लक्षण बताइए ?

(1) जिसके उदय से कुबड़ा शरीर हो
(2) जिसके उदय से बौना शरीर हो
(3) जिसके उदय से शरीर के अंगोपांग किसी खास शक्ल के न हों।
(4) जिसके उदय से हाड़ों के बंधन में विशेषता हो।

प्रश्न 85 संसार स्थिति घात के कितने कारण माने गये हैं ?

(1) 4 (2) 2
(3) 8 (4) 5

प्रश्न 86 आहार के छह भेदों में से तीसरा भेद-

(1) ओज (2) लेप्य
(3) मानस (4) कवल

प्रश्न 87 वीतराग निर्विकल्प त्रिगुप्ति समाधिरूप ध्यान के द्वारा किस कर्म का नाश होता है ?

(1) वेदनीय (2) मोहनीय
(3) नाम (4) अन्तराय

प्रश्न 88 सिद्ध होने वाले मुनि की उत्कृष्ट अवगाहना कितनी है ?

(1) 1000 धनुष (2) 5000 धनुष
(3) 500 धनुष (4) 525 धनुष

प्रश्न 89 केवली भगवान अधिक से अधिक कितने वर्ष तक इस पृथ्वीतल पर विहार करते हैं ?

(1) सत्रह कोटि पूर्व वर्ष तक
(2) कुछ कम नव लाख पूर्व वर्ष तक
(3) बीस कोटि पूर्व वर्ष तक
(4) कुछ कम कोटि पूर्व वर्ष तक

प्रश्न 90 जिसके द्वारा आत्मा को परतंत्र किया जाये, वह क्या कहलाता है ?

(1) बेड़ी **(2)** कर्म

(3) जाल **(4)** जेल

प्रश्न 91 जो पदार्थ के शुद्ध अंश का प्रतिपादन करता है वह.....है।

(1) निश्चयनय **(2)** व्यवहारनय

(3) उपचरित सद्भूत **(4)** उपचरित असद्भूत

प्रश्न 92 एक समय में अधिक से अधिक कितने जीव सिद्ध हो सकते हैं ?

(1) 151 **(2)** 1008

(3) 1000 **(4)** 108

प्रश्न 93 मोहनीय कर्म के मूल में कितने भेद हैं ?

(1) 8 **(2)** 2

(3) 28 **(4)** 16

प्रश्न 94 प्ररूपणाएं कितनी होती हैं ?

(1) 12 **(2)** 20

(3) 6 **(4)** 24

प्रश्न 95 जो अनेक प्रकार के शरीर की रचना करे, उसे.....कहते हैं ।

(1) नामकर्म **(2)** मोहनीय कर्म

(3) दर्शनावरण **(4)** अन्तराय

प्रश्न 96 पुण्य प्रकृतियाँ कितनी होती हैं ?

(1) 68 **(2)** 148

(3) 100 **(4)** 48

प्रश्न 97 वेदनीय कर्म के आस्रव के भेदों में से दुःख की परिभाषा बताइए ?

(1) पीड़ा रूप परिणाम विशेष को दुःख कहते हैं।

(2) संसार में अपनी प्रशंसा नहीं होना दुःख है।

(3) सच्चे ज्ञान में दोष लगाना ही दुःख है।

(4) अपना उपकार करने वाले पदार्थ का वियोग होना दुःख है।

प्रश्न 98 पक्ष किसे कहते हैं ?

(1) विशद ज्ञान को

(2) साधन से होने वाले साध्य के ज्ञान को

(3) धर्म और धर्मी के समुदाय का कथन करने को

(4) आप्त वचन से होने वाले अर्थज्ञान को

प्रश्न 99 अनादि मिथ्यादृष्टि जीव सबसे पहले कौन से सम्यक्त्व को ग्रहण करता है ?

(1) प्रथमोपशम सम्यक्त्व

(2) क्षायोपशमिक सम्यक्त्व

(3) द्वितीयोपशम सम्यक्त्व

(4) क्षायिक सम्यक्त्व

प्रश्न 100 योगवक्रता और विसंवाद से किसका आस्रव होता है ?

(1) शुभ नामकर्म का (2) अशुभ नामकर्म का

(3) नीच गोत्र का (4) ज्ञानावरण कर्म का

-आयोजक-

अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद

-केन्द्रीय कार्यालय-

दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान

जम्बूद्वीप-हस्तिनापुर (मेरठ) उ.प्र.-250404

-website-

www.jambudweep.org

www.encyclopediaofjainism.com